रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 4 फरवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 32 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

जेएनयू छात्र संघ के सभी मेन पदाधिकारी 2 सेमेस्टर के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) ने अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए पांच पीएचडी छात्रों को 2 सेमेस्टर के लिए निष्कासित कर दिया है। इन छात्रों में जेएनयू छात्र संघ के सभी 4 मुख्य पदाधिकारी भी शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, इन छात्रों ने नवंबर 2025 में विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी में लगे फेशियल रिकग्निशन एक्सेस गेट्स में तोड़फोड़ की थी। दोषी पाए जाने के बाद इन सभी छात्रों को तुरंत प्रभाव से कैंपस से बाहर कर दिया गया है और उन पर 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

मुख्य प्रॉक्टर कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी आदेश में कहा गया है कि 21 नवंबर 2025 को विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी में लगे करीब 20 लाख रुपये की लागत वाले एफआरटी सिस्टम को इन आरोपी छात्रों ने अन्य छात्रों के साथ मिलकर नुकसान पहुंचाया था। जांच से पता चला है कि यह घटना पूरी तरह से योजना बनाकर की गई थी। इसमें मशीनों के तार काटने, कैमरों को उखाड़ने और पैनलों को बाहर निकालने जैसी हरकतें

शामिल थीं। जब सुरक्षाकर्मियों ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो उनके साथ धक्का-मुक्की और नारेबाजी की गई। जारी पत्र के अनुसार, किझाकूट गोपिका बाबू, अदिति मिश्रा, सुनील यादव, दानिश अली और नीतीश कुमार को तुरंत प्रभाव से पूरे कैंपस से निष्कासित कर दिया गया है। इन पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। निलंबन पत्र में बताया गया है कि जांच के दौरान यह पाया गया कि जेएनयूएसयू अध्यक्ष अदिति मिश्रा और उपाध्यक्ष गोपिका बाबू ने तोड़फोड़ का नेतृत्व किया था जबकि संयुक्त सचिव दानिश अली और नीतीश कुमार ने लाइब्रेरी से पैनल हटा दिए थे। इन छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों के तहत हिंसा, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पढ़ाई में बाधा डालने का दोषी पाया गया है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि जो भी हॉस्टल में इन निष्कासित छात्रों को पनाह देगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व नियोजित कृत्य

जांच में सामने आया कि यह कृत्य पूर्व नियोजित था, जिसमें तार काटना, कैमरे उखाड़ना और मशीनों के पैनल बाहर ले जाना शामिल है। सुरक्षा कर्मियों के रोकने पर अभद्रता, धक्का-मुक्की और नारेबाजी का भी आरोप है, जिसमें दो महिला सुरक्षा गार्ड घायल हुईं। जारी बयान के मुताबिक, प्रॉक्टोरियल जांच समिति ने सभी पक्षों को सुना, साक्ष्यों और वीडियो फुटेज की जांच की। पूरे सबूतों के आधार पर विश्वविद्यालय के नियमों के उल्लंघन का दोषी ठहराया। आरोपियों को जेएनयू परिसर से बाहर रहने का आदेश दिया गया है।

नया पुल बना सकती है दिल्ली सरकार पूर्वी हिस्सों में कनेक्टिविटी की कोशिश

यह प्लान अभी शुरुआती स्टेज में है और इस पर चर्चा चल रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार यमुना पर एक नया पुल बनाने पर विचार कर रही है। इसे सिग्नेचर ब्रिज के पास बनाया जा सकता है। यह प्लान अभी शुरुआती स्टेज में है और इस पर चर्चा चल रही है। इसके बनने से शहर के पूर्वी हिस्सों में कनेक्टिविटी बेहतर होगा। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि दिल्ली सरकार सिग्नेचर ब्रिज के पास यमुना पर एक पुल बनाने या पुराने लोहे के पुल (लोहा पुल) को बदलने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। सरकार ट्रैफिक जाम को कम करने और शहर के पूर्वी हिस्सों में कनेक्टिविटी बेहतर करने की कोशिश में जुटी है। यह प्रस्ताव ट्रांस-यमुना बोर्ड ने पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ हाल ही में हुई एक मीटिंग में रखा था। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने बताया कि यह प्लान अभी शुरुआती स्टेज में है और इस पर चर्चा चल रही है। एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रस्ताव शुरुआती स्टेज में

है। सरकार ट्रांस-यमुना इलाके में कनेक्टिविटी बेहतर बनाने और नॉर्थ ईस्ट, नॉर्थ और सेंट्रल दिल्ली के बीच लिंक को मजबूत करने के लिए इस पर विचार कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, क्रॉस्स स्टेशनों और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के तैयार होने से रिंग रोड पर, खासकर सराय काले खां के पास ट्रैफिक जाम बढ़ने की उम्मीद है। फिलहाल, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे रिंग रोड पर सराय काले खां के पास खत्म होते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का डीएनडी-सोहना (जेवर) लिंक भी खुलने वाला है। एक अधिकारी ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार एक नया पुल बनाने का प्रस्ताव देने की योजना बना रही है। जगह अभी तय नहीं हुई है और इसकी जांच की जा रही है। पीडब्ल्यूडी पुराने वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक के रास्ते का अध्ययन करेगा ताकि फिजिबिलिटी, ट्रैफिक जाम और गाड़ियों की आवाजाही की जांच की जा सके। पुराना लोहे का पुल एक डबल-डेकर पुल है। इसके निचले डेक पर गाड़ियां चलती हैं और ऊपरी डेक पर ट्रेनें। फिलहाल, यमुना नदी पर सड़क और रेल पुलों को मिलाकर लगभग 25 पुल हैं।

सरकार को दिखाना होगा कौशल, योजनाओं की धीमी गति है चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। यह तथ्य कई रिपोर्ट से सामने आ चुका है कि भारत में औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने वालों का आंकड़ा बेहद निराशाजनक है। इस वास्तविकता से सरकार भी वाकिफ है कि जब तक युवाओं को प्रशिक्षित नहीं किया जाएगा, तब तक वह मौजूदा तकनीकी युग में रोजगार-स्वरोजगार के काबिल नहीं बन सकेंगे। इस बार बजट में इस सोच और प्रयास पर कई प्रमुख योजनाओं के रूप में सरकार की गंभीरता अधिक दिखी है, लेकिन पिछली घोषणाओं और उन पर अमल को परखा जाए तो कौशल विकास फिर चुनौती के रूप में खड़ा दिखाई देता है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ही पिछले बजट की अपनी प्रमुख योजनाओं को जमीन पर नहीं उतार सका है, जबकि अब जिन योजनाओं पर काम होना है, उनमें तो राज्य सरकारों के साथ ही कई मंत्रालयों के साथ समन्वय बनाना होगा। वर्ष 2026-27 के बजट के साथ ही यह जानकारी दी गई है कि पिछले बजट की कुछ प्रमुख घोषणाओं पर अमल कहां तक पहुंचा। उत्कृष्टता केंद्र का उल्लेख है। देशभर में पांच उत्कृष्टता केंद्र खोलने की घोषणा की गई थी। सरकारी जानकारी के अनुसार, आईटीआई के अपग्रेडेशन और पांच सेंटर फार एक्सीलेंस की योजना को कैबिनेट की स्वीकृति मई 2025 में मिली। योजना पर काम करने के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति जुलाई 2025 में बनी। इसके बाद अक्टूबर 2025 में पीएम-सेतु योजना की घोषणा करते हुए इन दोनों योजनाओं को इसमें शामिल कर दिया गया।

अफगानी शरणार्थियों के भी बना दिए फर्जी पासपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच एजेंसियों ने फर्जी पासपोर्ट मामले की जांच शुरू कर दी है। आईबी, एटीएस नोएडा और एलआईयू के अधिकारियों ने गिरफ्तार पांच आरोपियों से सोमवार को तीन घंटे तक पूछताछ की। जांच में खुलासा हुआ है कि जिन 22 लोगों के फर्जी पासपोर्ट बनाए गए, उनमें अफगानिस्तानी शरणार्थी मां-बेटे भी हैं। अब तक की जांच में पता चला है कि पासपोर्ट बनवाने के लिए एक नहीं, बल्कि चार मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया गया। फर्जी पासपोर्ट बनवाने की बात सामने आने के बाद सोमवार को नोएडा एटीएस, आईबी और एलआईयू के अधिकारियों ने गिरफ्तार दलाल विवेक गांधी और प्रकाश सुब्बा, डाकिया अरुण कुमार, अफगानिस्तान से आई शरणार्थी महिला सावंतकौर और उसके बेटे अमनदीप सिंह से भोजपुर थाने में पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानने का प्रयास किया कि पासपोर्ट किस मकसद से बनवाए गए। एजेंसियों की जांच विदेशी कनेक्शन पर भी टिकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों ने सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों को कई अहम जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि 22 पासपोर्ट के लिए आवेदन हुआ था, इनमें से एक मोबाइल नंबर पर 13, दूसरे से छह, तीसरे से दो और चौथे नंबर से एक पासपोर्ट के लिए आवेदन किया गया। पासपोर्ट बनावाने के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर फर्जी दस्तावेजों से बनवाए गए आधार कार्ड से लिए गए।

बीवी के गांव जाते ही हैवान बना पिता, 14 साल की बेटी से ही करने लगा दुष्कर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में छठी क्लास में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की ने अपने ही पिता के खिलाफ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया है। पीड़ित नाबालिग छात्रा अपने दोस्त के माता-पिता के साथ पहाड़गंज थाना पहुंची और पुलिस को आपबीती सुनाई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित नाबालिग बेटी की शिकायत के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(2) और 6 पॉक्सो एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि छठी क्लास में पढ़ने वाली 14 साल की एक नाबालिग लड़की 1 फरवरी को अपने दोस्त के माता-पिता के साथ पहाड़गंज थाना आई थी। उसने बताया कि उसकी मां 15 दिन पहले अपने गांव बिहार गई हुई है। इस दौरान 31 जनवरी की रात करीब डेढ़ बजे उसके पिता ने उसका यौन उत्पीड़न किया और इस बारे में किसी को नहीं बताने के लिए उसे धमकी भी दी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि पिछले 10-15 दिनों में ऐसी घटना 4-5 बार हो चुकी हैं। वह पहले डर के कारण चुप रही, क्योंकि आरोपी कथित तौर पर उसे और उसकी मां को बेरहमी से पीटता था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया और बयान दर्ज किया है। क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कपड़े और अन्य सबूतों सहित संबंधित फोरेंसिक और मेडिकल सबूत इकट्ठा किए। इसके बाद आरोपी पिता को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने इस घिनौने काम में अपनी संलिप्तता की स्वीकार की और बताया कि उसने इस बारे में किसी को भी बताने से रोकने के लिए उसे धमकी भी दी थी। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

अफगानिस्तान में महिलाओं को लेकर तालिबान का नया फरमान, गर्भनिरोधक दवाओं पर लगाई रोक

काबुल, एजेंसी। तालिबान ने सत्ता में आने के बाद से महिलाओं से जुड़ी कई चीजों पर कड़ी पाबंदी लगा दी है। अब इस लिस्ट में गर्भनिरोधक दवाएं भी शामिल हो गई हैं। तालिबान ने गर्भनिरोधक गोलियों पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। तालिबान सरकार ने फरमान जारी करते हुए गर्भनिरोधक दवा बेचने वाले सभी क्लीनिक बंद करने के आदेश दिए हैं। डॉक्टरों को भी गर्भनिरोधक दवा या मिसकैरेज को लेकर सख्त चेतावनी दी गई है। तालिबान के राज में महिलाओं को गर्भनिरोधक दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। पूरे अफगानिस्तान में गर्भनिरोधक गोलियां नहीं मिल पा रही हैं। डॉक्टरों ने भी अब हाथ खड़े करने शुरू कर दिए हैं।

वहीं, कम उम्र में ज्यादा बच्चे पैदा करने के कारण अफगानिस्तान में 80 प्रतिशत महिलाएं कुपोषण का शिकार होने लगी हैं। महिलाओं में एनीमिया, विटामिन की कमी और ब्लड प्रेशर की समस्या आम हो गई है। 27 अगस्त 2024 को अफगानिस्तान में तालिबान की हुकूमत आई, जिसके बाद 12 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के पढ़ने पर रोक लगाने, महिलाओं के बाहर निकलने और काम करने पर भी पाबंदी लगा दी गई थी। ऐसे में अस्पतालों में महिला डॉक्टरों और नर्सों का भी अभाव हो गया है। आलम ये है कि महिलाएं घर में ही बच्चों को जन्म देने के लिए मजबूर हैं। दुकान के बाहर बोर्डों पर महिलाओं की तस्वीर लगाने पर रोक महिलाएं बिना किसी पुरुष के अकेले घर से बाहर नहीं निकल सकतीं महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिलेगा सभी महिलाओं के लिए हिजाब पहनना अनिवार्य होगा महिलाएं चेहरा और शरीर ढककर घर से बाहर निकलेंगी और सार्वजनिक स्थलों पर बोलने से बचेंगी।

रहमान डकैत का बेटा कराची में गिरफ्तार, पुलिस ने बड़े बेटे को भी उतारा था मौत के घाट

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में गैंगस्टर रहमान डकैत के बेटे को फिर से पुलिस ने धर दबोचा है। ल्यारी के खूंखार अंडरवर्ल्ड से जुड़े इस नाम ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं, क्योंकि उसके बेटे जिब्रान को अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह आदमी पुराना अपराधी है, जो बार-बार जेल जा चुका है और अब भी उसी राह पर चल रहा था। यह घटना सोमवार को हुई, जब कलाकोट पुलिस ने जिब्रान को पकड़ा। उसके पास से एक अवैध पिस्तौल बरामद हुई। पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि जिब्रान अब्दुल रहमान उर्फ रहमान डकैत का बेटा है और वह लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय है। विशेष ऑपरेशन में जिब्रान को कलाकोट इलाके से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। कुछ रिपोर्टों में दो पिस्तौल और गोलियों का जिक्र भी है, लेकिन आधिकारिक बयान में एक पिस्तौल की बात कही गई है। पुलिस ने उसे आदतन अपराधी करार दिया है, जिसका मतलब है कि वह पहले भी कई बार गिरफ्तार हो चुका है और जेल की हवा खा चुका है। जिब्रान के खिलाफ ल्यारी के कलाकोट थाने में 2023 और 2024 के बीच दो एफआईआर दर्ज हैं। पुलिस का दावा है कि वह ड्रग तस्करी, फिरौती के लिए अपहरण जैसे गंभीर मामलों में शामिल रहा है। वह ल्यारीमें अपराधियों का एक गिरोह बनाने की कोशिश कर रहा था। उसकी रिहाई के बाद भी वह पुरानी हरकतों पर लौट आया था, जिसके चलते पुलिस ने फिर से उस पर नजर रखी और कार्रवाई की है। रहमान डकैत ल्यारी के गैंग वॉर का बड़ा नाम था। वह 80 से ज्यादा आपराधिक मामलों में शामिल रहा और ल्यारी की गैंग वॉर का केंद्र रहा। 2009 में कराची पुलिस ने उसे और उसके तीन साथियों को मार गिराया था। रहमान डकैत की मौत के बाद उसके परिवार से जुड़े सदस्य भी अपराध की दुनिया सक्रिय रहे। 2024 में उसके एक बेटे को कथित मुठभेड़ में मार गिराया गया था।

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में एक सप्ताहिक कृषि प्रशिक्षण आयोजित

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, नवलपुर परिसर में कृषि संकाय द्वारा प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत "कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ" विषय पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जो 6 फरवरी 2026 तक चलेगा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में व्यावहारिक, रोजगारोन्मुख एवं उद्यमशील कौशल प्रदान करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि कृषि भारत की आत्मा है और आज की शिक्षा का लक्ष्य कृषि को रोजगार से जोड़ना होना चाहिए। पीएम उषा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देना एक सार्थक पहल है, जिससे उनमें उद्यमशील सोच

विकसित होगी। संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो. प्रवीण शर्मा ने कहा कि आज के समय में कृषि केवल परंपरा नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक से जुड़ा एक बड़ा अवसर है। ऐसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय का यह प्रयास प्रशंसनीय एवं समयोचित है। इस अवसर पर डीन साइंस प्रो. प्रवीण शर्मा, वैज्ञानिक दीपक चौहान एवं प्रो. प्रमोद कुमार पाण्डेय ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उत्पादन, उद्यानिकी प्रवर्धन एवं नर्सरी प्रबंधन, कृषि से जुड़ी शासकीय योजनाओं की जानकारी, वर्मी कम्पोस्ट एवं एजोला (जीवित उर्वरक), मृदा नमूना संग्रह एवं विश्लेषण तथा सतत जैविक खेती जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. रचना दुबे, जिला समन्वयक सेडमैप रवि कुमार वर्मा सहित विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राजनीति में एक नई असमंजस की स्थिति उत्पन्न

मुंबई। महाराष्ट्र (Maharashtra) की राजनीति में एक नई असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जब अजित पवार (Ajit Pawar) के आकस्मिक निधन ने एनसीपी (NCP) के दोनों गुटों के विलय की संभावना को लेकर विरोधाभासी दावे सामने ला दिए हैं। शरद पवार (Sharad Pawar) ने यह संकेत दिया कि अजित पवार के साथ विलय को लेकर उच्चस्तरीय बातचीत चल रही थी, जबकि देवेंद्र फडणवीस (Devendra Fadnavis) और अजित पवार के गुट के अन्य वरिष्ठ नेता इस दावे से पूरी तरह इनकार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन दावों की वैधता पर सवाल उठाया और कहा कि अजित पवार उनके साथ लगातार संपर्क में थे, लेकिन उन्होंने कभी भी विलय का विषय उठाया नहीं। फडणवीस ने यह भी कहा कि महायुति सरकार में अजित पवार की स्थिति मजबूत थी, और ऐसे में पार्टी छोड़ने या विलय की संभावना बेहद कम थी। एनसीपी (अजित पवार गुट) के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल ने भी यह स्पष्ट किया कि 2023 में एनडीए में शामिल होने का फैसला अंतिम था और शरद पवार के साथ विलय पर कोई बातचीत नहीं हुई थी। तटकरे ने यह भी कहा कि अब एनसीपी (अजित पवार गुट) एनडीए का हिस्सा है, और शरद पवार पर निर्भर है कि वे अपनी पार्टी को सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल करना चाहते हैं या नहीं।

शरद पवार का बयानः बंद दरवाजे की बातचीत

इस बीच, शरद पवार ने इन दावों का जवाब देते हुए कहा कि विलय की चर्चा 'बंद दरवाजे' में हुई थी, जिसमें केवल अजित पवार, जयंत पाटिल, सुप्रिया सुले और रोहित पवार शामिल थे। उनका कहना था कि देवेंद्र फडणवीस और सुनील तटकरे जैसे लोग इस मामले से बाहर थे, और इसलिए उनके पास इस पर कोई सही जानकारी नहीं थी। इसके साथ ही, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में नेतृत्व संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रफुल पटेल और पार्टी के अन्य कार्यकर्ता अब सुनेत्रा पवार को उनके दिवंगत पति के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

पार्थ पवार को कम प्रोफाइल रखने की सलाह

सुनेत्रा पवार को पार्टी के विधायक दल का नेता चुना गया है और उन्होंने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ भी ली है। शरद पवार ने इस स्थिति के बारे में भी कोई जानकारी नहीं होने की बात कही, जिससे पार्टी और परिवार के बीच तनाव और गहरा गया। खासतौर पर तब, जब भाजपा ने पार्थ पवार को हालिया विवादों के मद्देनजर लो प्रोफाइल बनाए रखने की सलाह दी।

यह चर्चा भी उठी कि एनसीपी पार्थ पवार को राज्यसभा भेजने पर विचार कर रही है, क्योंकि यह सीट उनकी मां सुनेत्रा के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद खाली हुई है। वहीं, पार्थ पवार और शरद पवार एक बंद कमरे में अपने पिता के मेमोरियल पर चर्चा कर रहे थे, जबकि उनकी मां सुनेत्रा पवार राज्य की उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले रही थीं। इस समय, भाजपा शरद पवार गुट को महायुति में शामिल करने को लेकर संकोच कर रही है, जिससे दोनों गुटों के विलय की संभावनाओं पर ब्रेक लग रहा है।

एनसीपी का भविष्य और राजनीति की जटिलता

इस स्थिति के चलते एनसीपी का भविष्य अब अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है, क्योंकि दोनों गुट सत्ता पर नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा पर्दे के पीछे राज्य के बदलते राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर रही है, जिससे एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की प्रक्रिया रुक गई है।

दूषित पानी को लेकर मोलंडलेज इंडिया
कंपनी पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में फैले प्रदूषण पर प्रशासन सख्त

दिव्यानंद अर्गल

मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में संचालित मोलंडलेज इंडिया कंपनी (कैडबरी) द्वारा फैलाए जा रहे दूषित पानी को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी से निकल रहे केमिकल युक्त पानी से आसपास के गांवों में गंभीर बीमारियों के फैलने की शिकायत लंबे समय से की जा रही थी। आस-पास के ग्रामीणों द्वारा दूषित पानी के सैंपल लिए गए, जिसके बाद क्षेत्रीय विधायक केशव देसाई से शिकायत की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक केशव देसाई ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की, जिस पर प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम का गठन किया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कंपनी में की जांच

गठित टीम आज मोलंडलेज इंडिया कंपनी पहुंची। इस टीम का नेतृत्व बीएमओ डॉ. बासुदेव शिकारिया ने किया, जो अपनी पूरी स्वास्थ्य टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। टीम द्वारा कंपनी परिसर और आसपास के क्षेत्रों में फैल रहे दूषित पानी की जांच की गई एवं आवश्यक सैंपल लिए गए।

विधायक केशव देसाई ने जताई कड़ी नाराजगी

जांच के दौरान क्षेत्रीय विधायक केशव देसाई भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कंपनी प्रबंधन द्वारा फैलाए जा रहे दूषित पानी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और स्पष्ट शब्दों में कहा कि इससे औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर सहित आसपास के गांवों में कई प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है। विधायक ने कंपनी प्रबंधन को तत्काल व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो यह मामला इंदौर के

भागीरथपुरा जैसे बड़े हादसे में तब्दील हो सकता है।

ग्रामीणों में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

इस दौरान क्षेत्र के ग्रामीणजन भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। ग्रामीणों ने बताया कि दूषित पानी के कारण त्वचा रोग, पेट संबंधी बीमारियां और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई और स्थायी समाधान की मांग की।

प्रशासन ने दिए जांच के आश्वासन

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रणजीत टाइम्स

प्रेम की सनक में हैवानियत,शादीशुदा गर्लफ्रेंड को पाने कि चाहत मे मासूम कि गला घोट कर हत्या

प्रदीप सिंह बघेल

जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र से दिल दहला देने वाला अपराध सामने आया है, जहां प्रेम की सनक में एक युवक ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। प्रेमिका के साथ रहने की चाह में प्रेमी ने प्रेमिका के सात साल के बेटे कि बेरहमी से हत्या कर दी और शव को बंद पड़ी कोयला खदान में फेंक दिया। पुलिस ने इस अंधे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पुरानी बस्ती निवासी मोइशीन का झिल्ली दफाई क्षेत्र में मजदूरी करने वाली नंदनी कोल से प्रेम प्रसंग था। मोइशीन नंदनी को पाने के लिए इस कदर पागल हो चुका था कि वह उसके रास्ते की हर रुकावट खत्म करने को तैयार था। नंदनी ने उसके साथ रहने से इनकार कर दिया था, वजह उसके दो छोटे बच्चे थे। यही बात मोइशीन को खटक रही थी और उसने बच्चों को अपने प्रेम के बीच कांटा मान लिया।

आरोपी ने पहले नंदनी के सात साल के बेटे ऋतिक कोल को निशाना बनाया। वह मासूम को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और बगैय्या नाला के पास बंद पड़ी कोयला खदान में ले जाकर उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद उसने बच्चे के शव को खदान में भरे पानी में फेंक दिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी दूसरे बच्चे को भी खत्म करने की योजना बना रहा था। गौरतलब है कि ऋतिक कोल, पिता बलराम कोल, बीते पांच दिनों से लापता था। परिजनों ने धनपुरी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी और बच्चे की तलाश के लिए पांच हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई थी आखिरकार कोयला खदान में पानी में तैरता हुआ शव मिला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शव की नग्न अवस्था में बरामदगी और घटनास्थल की परिस्थितियों ने हत्या की आशंका को और मजबूत किया। कड़ी पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपी मोइशीन को गिरफ्तार कर लिया, जिसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गौर बंजारा दल का प्रतिनिधिमंडल एसीपी विजयनगर से मिला, निष्पक्ष जांच की मांग

विनोद चौहान

बंजारा समाज की बेटी मोनिका चौहान के आत्महत्या प्रकरण को लेकर गौर बंजारा दल के महानगर अध्यक्ष श्री रमेश राठौड़ जी एवं समाज के वरिष्ठ नेता श्री नेमीचंद जी नायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विजयनगर के एसीपी महोदय से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रकरण में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने तथा मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्वरित जांच की मांग रखी गई। एसीपी विजयनगर महोदय ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्रकरण की निष्पक्ष एवं गहन जांच की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधि-सम्मत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर गौर बंजारा दल के पदाधिकारीगण दीपक गोविंद चौहान (संगठन मंत्री), बिरजू राठौड़ , भारत राठौड़, रमेश नायक, पंकज पवार, पवन राठौड़, आकाश राठौड़ सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चौरल में होलिका दहन टेकरी पर अवैध अतिक्रमण हटाने हेतु सिमरोल तहसीलदार के नाम ज्ञापन सोपा

महू-इंदौर- चौरल सरपंच अशोक सैनी ने बताया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया चोरल के सामने होली टेकरे पर अवैध अतिक्रमण है उस अतिक्रमण को हटाया जाए और हिंदू समाज को होली जलाने की जगह दी जाए 150 साल से यहाँ परंपरागत तरिके से होली जलती आ रही है। सिमरोल तहसीलदार जल्द से जल्द होली टेकरे पर अवैध अतिक्रमण हटवाया जाये। ब्लाक कांग्रेस सिमरोल के द्वारा मांग की जाती है कि एक सप्ताह के अन्दर इन समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता है तो तहसील टप्पा सिमरोल का घेराव किया जावेगा और धरना आन्दोलन किया जावेगा। इस अवसर पर चौरल सरपंच अशोक सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश सल्वाडिया, शैलेश जाट और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

संदीपनी शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीडी नगर ग्वालियर में अकादमिक संवाद का आयोजन

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर दिनांक 3 फरवरी 2026 को सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीडी नगर ग्वालियर में स्कूल लीडर तथा एकेडमिक स्टाफ के मध्य एकेडमिक संवाद का आयोजन किया गया l एकेडमिक संवाद विद्यालय नेतृत्व एवं विद्यालय शिक्षकों के मध्य होने वाली एक शैक्षणिक परिचर्चा है जिसमें विद्यालय में संपन्न हुई शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा एवं आगामी गतिविधियों की क्रियात्मक योजना का निर्माण किया जाता है l यह प्रत्येक माह आयोजित होने वाली एक नियमित गतिविधि है इस माह के अकादमिक संवाद में चर्चा के बिंदु निम्नानुसार रहे

1 विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार विषय बार आवश्यकताओं की पहचान l

2 रेमेडियल कक्षाओं का टाइम टेबल के अनुसार विधिवत संचालन की समीक्षा l

3 परीक्षा के समय विद्यार्थियों के लिए तनाव मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु विद्यार्थियों के साथ संवाद की योजना बनाना l

4 परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु उपयोगी टिप्स की योजना बनाना l

5 परीक्षा में ओएमआर शीट को त्रुटि रहित भरने की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान करने पर चर्चा l

सागवानः हरित सोना, सुरक्षित भविष्य और लाभकारी निवेश

संपादक

गोपाल गावंडे

भारत प्राचीन काल से ही वनों, वृक्षों और प्राकृतिक संपदा के संरक्षण के लिए जाना जाता रहा है। इन्हीं अमूल्य प्राकृतिक धरोहरों में सागवान (Teak) का विशेष स्थान है। सागवान केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन और भविष्य की मजबूत नींव है। आज जब लोग सुरक्षित निवेश और हरित जीवन की ओर बढ़ रहे हैं, तब सागवान को "हरित सोना" कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

सागवान क्या है?

सागवान एक बहुमूल्य कठोर लकड़ी का वृक्ष है, जिसका वैज्ञानिक नाम Tectona Grandis है। इसकी लकड़ी अत्यंत मजबूत, टिकाऊ, दीमक-रोधी और जल-रोधी होती है। इसी कारण से इसका उपयोग सदियों से महलों, मंदिरों, जहाजों और फर्नीचर निर्माण में किया जाता रहा है।

सागवान कहाँ-कहाँ उगाया जाता है?

भारत में सागवान मुख्यतः निम्न राज्यों में पाया जाता हैः

मध्य प्रदेश (देश का सबसे बड़ा सागवान क्षेत्र)

महाराष्ट्र,छत्तीसगढ़,गुजरात,कर्नाटक,केरल,ओडिशा,आंध्र प्रदेश,तेलंगाना विशेष रूप से नदी, नाले और जलस्रोतों के आसपास की भूमि सागवान के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है, क्योंकि इसे गहरी और नमी युक्त मिट्टी पसंद है।

सागवान की खेती कैसे की जाती है? (पूर्ण विवरण)

1 भूमि का चयन

हल्की दोमट या काली मिट्टी

जल निकास की उचित व्यवस्था

नदी/नाले के आसपास की भूमि सर्वोत्तम

2 पौधारोपण

पौधों के बीच 7 से 10 फीट की दूरी

1 एकड़ में लगभग 400–600 पौधे

बरसात का मौसम सबसे उपयुक्त

3 देखभाल

पहले 3–4 वर्ष नियमित निराई-गुड़ाई

अधिक खाद की आवश्यकता नहीं

प्राकृतिक रूप से तेजी से बढ़ता है

4 कटाई अवधि

12 से 15 वर्ष में व्यावसायिक कटाई

20–25 वर्ष में अत्यधिक उच्च मूल्य

सागवान के आर्थिक फायदे

मूल्य में लगातार वृद्धि

सागवान की लकड़ी का मूल्य हर साल बढ़ता है। आज जो सागवान 10,000 प्रति घनफुट है, वही 10–15 साल में कई गुना मूल्य का हो जाता है। कम जोखिम, अधिक रिटर्न स्टॉक मार्केट या अन्य निवेशों की तुलना में सागवान सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। दीमक और पानी से सुरक्षा इसी कारण से सागवान की मांग कभी कम नहीं होती। पीढ़ियों के लिए संपत्ति यह निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए भी स्थायी संपत्ति बनता है। पर्यावरणीय लाभ ऑक्सीजन उत्पादन में सहायक

जलवायु संतुलन बनाए रखने में मदद

भू-क्षरण (मिट्टी कटाव) को रोकता है

वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास

आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, सागवान जैसे वृक्ष प्रकृति और मानव के बीच सेतु का कार्य करते हैं। निजी जंगल और फार्म हाउस की अवधारणा आज के समय में लोग प्राइवेट जंगल, फॉरेस्ट फार्म हाउस और ग्रीन रिट्रीट की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। सागवान के हजारों पेड़ों के बीच फार्म हाउस न केवल शांति देता है, बल्कि भविष्य में भारी आर्थिक लाभ भी प्रदान करता है।

संपादकीय निष्कर्ष-सागवान केवल खेती नहीं, बल्कि दूरदर्शी सोच है। यह निवेश, पर्यावरण संरक्षण और जीवन की गुणवत्ता-तीनों को एक साथ साधता है। जो लोग आज सागवान में निवेश करते हैं, वे आने वाले वर्षों में सुरक्षित, सम्मानजनक और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ते हैं।

सहजयोग में तर्क व बुद्धिवाद से उत्पन्न सभी प्रश्नों का हल पाना संभव है

नास्तिकता का अर्थ है ईश्वर या किसी भी देवता के अस्तित्व में विश्वास न करना। व्यक्ति जो किसी भी धर्म को नहीं मानता, उसे भी नास्तिक कहा जाता है। नास्तिकता ईश्वर के अस्तित्व को नकारती है । ऐसे व्यक्ति मानते हैं कि ईश्वर का अस्तित्व झूठ है, या ईश्वर का अस्तित्व अत्यंत कम संभावना वाली एक काल्पनिक परिकल्पना है। फिर भी यह बात बनी हुई है कि नास्तिकता का ऐसा लक्षण-चित्रण अन्य तरीकों से अपर्याप्त है। कहा जाता है कि हम आस्तिक को नास्तिक बना सकते हैं, लेकिन नास्तिक को आस्तिक बनाना अत्यंत कठिन सा लगता है क्योंकि नास्तिकता सत्य, तर्क, बुद्धिवाद, विवेकवाद, विज्ञान से जुड़ा हुआ सिद्धांत हैं। ऐसे व्यक्ति आँख बंद करके परम्परा से चली आ रही अवधारणाओं पर सहज विश्वास नहीं कर पाते। वे खुद सत्य और असत्य की खोज करेंगे, सत्य को महसूस करेंगे तो ही मानेंगे, नहीं होगा तो उसे उधर ही छोड़ देंगे।

वास्तव में ऐसे व्यक्ति प्रमाण चाहते हैं कि ईश्वर सचमुच है, वे सत्य की खोज में रहते हैं। सहजयोग ध्यान में आप परम चैतन्य की उपस्थिति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं। यह अनेक बार वैज्ञानिक, चिकित्सकीय, मानसिक व शारीरिक स्तरों पर लाखों व्यक्तियों द्वारा अनुभव किया जा सका है। अतः प्रत्येक वह व्यक्ति जो परम शक्ति की प्रमाणिकता को अनुभव करना चहता है शुद्ध इच्छा लिए वह सहज योग केंद्र में आ सकता है, शर्त सिर्फ यह है कि वह अपनी शुद्ध इच्छापूर्ति हेतु अडिग रहे।

सहज योग केंद्र में श्री माताजी के समक्ष सहजयोगी साधक जब नये साधकों को आत्मसाक्षात्कार देते हैं तो नये साधकों की शुद्ध इच्छा के कारण कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है और कुंडलिनी के रीढ़ की हड्डी से होते हुये उपर उठते ही सभी चक्र व नाड़ियाँ संतुलित होने लगती हैं और हमारे अंदर ईश्वरीय शक्ति चैतन्य रुप में प्रवाहित होने लगती है। यही ईश्वर के होने का सबूत है। ईश्वर को लेकर असमंजस की स्थिति वाले लोग जब अशांत प्रकृति को लेकर सहज योग में आते हैं, तब उनके पूर्व के अनुभव के आधार पर वे बताते हैं कि बिना सोचे समझे दूसरों का अनुसरण करने और गलत गुरुओं के पास जाने से उनकी स्थिति ऐसी हुई है। ऐसे लोग भी सहज योग ध्यान धारणा के बाद दिव्य शक्ति के अनुभव से शांत होकर, राहत महसूस करने लगते हैं। ध्यान में उतरते ही बहुत से सुखद संयोग घटित होते हैं, कई चमत्कारों का अनुभव होता है और अंततः वे यह समझने लगते हैं कि कोई शक्ति है जो उन्हें सही मार्ग पर ले जा रही है। यदि आप पवित्र इच्छा से सहज योग में आकर ईश्वरीय शक्ति की अनुभूति लेना चाहते हैं तो आपका हमारे सहज योग केंद्रों में स्वागत है। सहज योग को गहनता से समझने,जुड़ने और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

मास्टर माइंड स्कूल में पढ़ाई जारी रखेंगे RTE के बच्चे

राजेश धाकड़

RTE मामले में कलेक्टर सख़्त, स्कूल प्रबंधन को निर्देश

इंदौर।मास्टर माइंड स्कूल, बिचौली मर्दाना में आरटीई (Right to Education) के अंतर्गत अध्ययनरत बच्चों की पढ़ाई से जुड़े मामले में जिला प्रशासन ने सख़्त रुख अपनाया है। स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के परिजन जनसुनवाई में कलेक्टर

शिवम वर्मा के समक्ष पहुँचे और शिकायत दर्ज कराई कि स्कूल प्रबंधन बच्चों की नियमित पढ़ाई नहीं करा रहा है तथा उन्हें स्कूल से बाहर करने का दबाव बना रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रशासन की सख़्ती के बाद स्कूल संचालक ने आरटीई के अंतर्गत पढ़ रहे सभी बच्चों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रखने पर सहमति जताई। कलेक्टर के हस्तक्षेप और त्वरित कार्रवाई से परिजनों में संतोष और खुशी का माहौल देखने को मिला। परिजनों ने प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए यह निर्णय बेहद महत्वपूर्ण है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर अभाविप का प्रदर्शन, प्रदेश भर के छात्रों को सीधा फायदा

राजेश धाकड़

इंदौर।देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), इंदौर महानगर द्वारा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। यह आंदोलन करीब 4 घंटे 30 मिनट तक चला, जिसमें विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न महाविद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अभाविप का यह आंदोलन मुख्य रूप से परीक्षा शुल्क में असमानता, रिवैल्यूएशन की समस्याएं और विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से किया गया था। प्रदर्शन के दौरान परिषद ने सवाल उठाया कि BBA और BCA पाठ्यक्रमों की परीक्षा फीस 4900 रुपये, जबकि अन्य पाठ्यक्रमों की फीस 2400 रुपये क्यों है। अभाविप ने इसे छात्रों के साथ सीधा भेदभाव बताते हुए तत्काल सुधार की मांग की। इसके साथ ही परिषद ने यह भी मांग रखी कि रिवैल्यूएशन के बाद पास होने वाले विद्यार्थियों को उनकी जमा की गई फीस वापस की जाए।

अभाविप ने बाहरी जिलों से आने वाले छात्रों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। परिषद ने कहा कि विश्वविद्यालय संबंधी कार्यों के चलते ऐसे छात्रों को इंदौर में रुकना पड़ता है, लेकिन उनके लिए ठहरने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा एटीकेटी एवं परीक्षा फॉर्म की बढ़ी हुई फीस तथा सप्लीमेंट्री परीक्षा में रिवैल्यूएशन की सुविधा न होने जैसे मुद्दों को भी आंदोलन के दौरान मजबूती से रखा गया। आंदोलन के समय विश्वविद्यालय में कार्य परिषद की बैठक चल रही थी। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने बैठक में पहुंचकर सीधे विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं। लंबी चर्चा और आंदोलन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों के हित में कई अहम निर्णय लिए। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा BBA और BCA की परीक्षा फीस घटाकर 3000 रुपये करने की घोषणा की गई। साथ ही रिवैल्यूएशन के बाद पास होने वाले विद्यार्थियों को फीस वापस देने के लिए शासन को पत्र लिखकर नियमों में बदलाव की मांग की गई है। इसके अलावा सप्लीमेंट्री परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की रिचेकिंग और रिवैल्यूएशन सुविधा को लेकर भी शासन को पत्र भेजा गया है। बाहरी जिलों से आने वाले छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने गर्ल्स हॉस्टल और बॉयज हॉस्टल में एक-एक कमरा ठहरने हेतु उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में अभाविप के प्रांत सह मंत्री कुशल यादव एवं महानगर मंत्री देवेश गुर्जर ने संयुक्त रूप से बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए यह सभी निर्णय देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश के सभी महाविद्यालयों पर लागू होंगे, जिससे हजारों विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्रों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

वकीलों की एकता रंग लाई
डीसीपी ने टीआई से मंगवाई माफी

राजेश धाकड़

इंदौर आजाद नगर थाना प्रभारी लोकेश भदौरिया द्वारा अधिवक्ता कन्हैया चौहान के साथ की गई अभद्रता एवं उन्हें जबरन थाने में बैठाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया।

घटना के विरोध में बड़ी संख्या में वकीलों ने सोमवार को रीगल तिराहा स्थित डीसीपी जोन-1 कृष्ण लालचंदानी के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। वकीलों के उग्र विरोध को देखते हुए डीसीपी कृष्ण लालचंदानी ने तत्काल आजाद नगर टीआई लोकेश भदौरिया को कार्यालय तलब किया। डीसीपी की मौजूदगी में टीआई भदौरिया ने अधिवक्ता कन्हैया चौहान से माफी मांगी। इस मौके पर डीसीपी कृष्ण लालचंदानी ने वकीलों को आश्वस्त किया कि भविष्य में किसी भी अधिवक्ता के साथ बिना कारण या बिना गलती पुलिस द्वारा अभद्र व्यवहार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून

के दायरे में रहकर ही पुलिस की कार्रवाई होगी और अधिवक्ताओं के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।वकीलों ने इस कार्रवाई को अपनी एकजुटता की जीत बताते हुए प्रशासन के रुख का स्वागत किया।

"हम मजदूर हैं साहब, हर बार 'अगला मंगलवार' नहीं कर सकते"

राजेश धाकड़

इंदौर। जनसुनवाई में आम जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासनिक दावों की हकीकत मंगलवार को एक बार फिर सामने आ गई। मेहनत-मजदूरी कर गुजर-बसर करने वाले एक मजदूर की पीड़ा ने जनसुनवाई व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। मजदूर अपनी बुजुर्ग मां को लेकर जनसुनवाई में पहुंचा था। मां की आंखों की रोशनी लगातार कम होती जा रही है, वहीं राशन कार्ड से उनका नाम काट दिया गया है। मजदूर का कहना है कि वह सिर्फ अपनी मां का नाम दोबारा राशन कार्ड में जुड़वाने के लिए हर मंगलवार कलेक्टर कार्यालय के चक्कर काट रहा है, लेकिन हर बार उसे आश्वासन के तौर पर सिर्फ "अगला मंगलवार" ही थमा दिया जाता है। लगातार टालमटोल से परेशान मजदूर का सब्र मंगलवार को टूट गया। जनसुनवाई कक्ष में ही उसने हंगामा कर दिया, वहीं उसकी मां भी फूट-फूटकर रोती रही। मजदूर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "मैं मेहनत-मजदूरी करने वाला इंसान हूं, रोज कमाता-खाता हूं। हर मंगलवार इस तरह काम छोड़कर चक्कर नहीं लगा सकता।" हंगामा बढ़ता देख मौके पर मौजूद अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और समस्या का जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया। हालांकि यह घटना

जनसुनवाई की प्रभावशीलता और जमीनी स्तर पर आम आदमी को मिलने वाले न्याय पर गंभीर सवाल छोड़ गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 से साकार हुआ पक्के मकान का सपना

खनियाधाना में 394 हितग्राहियों को मिले स्वीकृति पत्र

दैनिक सूचना रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

खनियाधाना (शिवपुरी) नगर परिषद खनियाधाना क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। योजना के BLC (बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन) घटक के तहत 394 पात्र हितग्राहियों को पक्के आवास निर्माण हेतु स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर हितग्राहियों के चेहरों पर अपने सपनों के घर को साकार होते देखने की खुशी साफ झलक रही थी।

कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को प्रथम किस्त के रूप में 1 लाख की राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इससे आवास निर्माण की प्रक्रिया को गति मिलेगी और लाभार्थी बिना किसी वित्तीय बाधा के अपने घर का निर्माण प्रारंभ कर सकेंगे।

नगर परिषद खनियाधाना द्वारा आयोजित इस वितरण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना शहरी गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए एक वरदान साबित हो रही है। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित, मजबूत और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया जाए। हितग्राहियों ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वर्षों से कच्चे मकान या किराए के घर में रहने की मजबूरी अब समाप्त होने जा रही है। पक्का घर मिलने से न केवल परिवार की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। उन्होंने केंद्र और राज्य शासन के साथ-साथ नगर परिषद खनियाधाना का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने हितग्राहियों को आवास निर्माण के दौरान गुणवत्ता, समय-सीमा और आवश्यक दस्तावेजों के पालन के संबंध में मार्गदर्शन दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के माध्यम से खनियाधाना में "सबके लिए आवास" का सपना तेजी से साकार होता दिखाई दे रहा है।

शिव मेरे लिए बेहद खास, इसीलिए छाप तिलक गाना दिल के बहुत करीब

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अब एक्ट्रेस से सिंगर बनने की राह पर हैं। राशा ने हाल ही में सिंगिंग डेब्यू किया है। उनके डेब्यू सॉन्ग का टाइटल छाप तिलक है, जिसे राशा ने अपने दिल के बेहद करीब बताया। राशा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें वह भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा जताती और खास गाने छाप तिलक से जुड़ी अपनी भावनाओं को व्यक्त करती नजर आईं। राशा ने पोस्ट में लिखा, शिव हमेशा मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। छाप तिलक एक ऐसा गाना है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। इसके साथ ही राशा ने गाने की कुछ लाइन का शिव से कनेक्शन करते हुए लिखा, मैं तो छाप तिलक छोड़ चली रे—ब्रह्मांडीय नर्तक नटराज को अपनी कला और अपना तिलक अर्पित करना। मैं तो आज फलक ओढ़ चली रे—उसका ब्रह्मांड मुझे हमेशा घेरे रहता है। मेरे मन के ताल पर बाजे डमरू—शिव की डमरू की थाप और लय हमेशा मेरे दिल में रहती है। आभारी हूं शिव ओम नमः शिवाय। राशा महादेव की परम भक्त हैं। वह अपनी मां रवीना टंडन के साथ अक्सर शिवालय जाती रहती हैं। वह देश भर के हिस्सों में स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग में से कई के दर्शन भी कर चुकी हैं।

राशा थडानी ने साल 2025 में एक्ट्रेस के तौर पर आजाद फिल्म के साथ डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में असफल रही और फ्लॉप हो गई थी, लेकिन अब उन्होंने सिंगिंग में कदम रखा है। राशा ने इंस्टाग्राम पर स्टूडियो का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह गाने को रिकॉर्ड करते हुए नजर आईं। इस सिंगिंग डेब्यू की तारीफ बाहुबली फेम सुपरस्टार प्रभास ने भी की है। फिलहाल, राशा अपनी एक्ट्रेस की जर्नी भी जारी रख रही हैं। वह जल्द ही फिल्म लइका लइकी में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म से वह एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आएंगी।

श्रिया सरन ने दृश्यम फ्रेंचाइजी के आखिरी पार्ट को लेकर जताई खुश

क्राइम-थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

इंडिया टुडे के साथ बात करते हुए श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फ्रेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं।

तेरे इश्क में के बाद धनुष की 55वीं फिल्म का ऐलान

धनुष ने हाल ही में अपनी 55वीं फिल्म का एलान किया है, जिसका अस्थाई नाम डी55 है। निर्माताओं ने स्टार कास्ट की घोषणा भी कर दी है। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की अगली फिल्म में धनुष के साथ मुख्य भूमिका में यह अभिनेत्री पहली बार नजर आएंगी। राजकुमार पेरियासामी पहले अमरन फिल्म बना चुके हैं। धनुष की आगामी फिल्म का अस्थाई नाम डी55 है। यह अस्थाई नाम इसलिए डी55 रखा गया है क्योंकि यह धनुष की

55वीं फिल्म हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मुख्य अभिनेत्री के रूप में श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी करेंगे।

धनुष और श्रीलीला पहली बार किसी फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं।

डी55 एक बड़ा प्रोजेक्ट है। धनुष अपनी कंपनी वंडरबार फिल्म्स के साथ आर टेक स्टूडियोज को मिलकर इसे बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण अभी मुंबई में चल रहा है। शूटिंग 2026 के आखिर तक पूरी होने की उम्मीद है।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है। श्रिया सरन ने बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री-सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था।

श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। या सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होतीं। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है।

पुलकित सम्राट ने ग्लोरी के साथ नए लीग में रखा कदम

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था।

Nipah Virus India: कोरोना से भी खतरनाक? 75% मौत का खतरा, लेकिन भारत के लिए WHO ने कही ये राहत की बात!

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कहा है कि भारत में सामने आए निपाह वायरस के मामले दूसरे देशों तक फैलने की संभावना बहुत कम है। WHO के मुताबिक, अभी ऐसी कोई जरूरत नहीं है कि देशों को भारत के लिए यात्रा प्रतिबंध लगाने पड़ें। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब निपाह वायरस को लेकर लोगों में डर और चिंता बढ़ी हुई है। WHO ने रॉयटर्स को ईमेल में बताया कि अब तक सामने आए मामलों के आधार पर संक्रमण के और ज्यादा फैलने का जोखिम कम है। संगठन ने यह भी कहा कि भारत के पास इस तरह के संक्रमण को कंट्रोल करने की पूरी क्षमता है। WHO के अनुसार, अभी तक मानव से मानव में तेजी से फैलने के कोई सबूत नहीं मिले हैं और भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। अब तक कितने मामले सामने आए? इस महीने की शुरुआत में कोलकाता स्थित AIIMS अस्पताल की दो नर्सें निपाह वायरस से संक्रमित पाई गई थीं।

टी-20 वर्ल्डकप का कैप्टन्स डे दो शहरों में होगा

● मुंबई में 12 और कोलंबो में 8 टीमों के कप्तान शामिल होंगे, टूर्नामेंट 7 फरवरी से

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। इससे पहले, 5 फरवरी को आईसीसी ने कैप्टन्स डे रखा। कैप्टन्स डे दो शहरों मुंबई (भारत) और कोलंबो (श्रीलंका) में होगा। कैप्टन्स डे एक मीडिया कार्यक्रम है, जहां कप्तान मीडिया से बात करेंगे।

मुंबई में 12 टीमों के कप्तान आएंगे- मुंबई में होने वाले कैप्टन्स डे मीट में कुल 12 टीमों के कप्तान हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तान शामिल होंगे। सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत के दौरान टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

ग्रुप-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 3:00 बजे और ग्रुप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 3:30 बजे शुरू होगी। यह

कैप्टन्स डे मीट बीसीसीआई ऑफिस वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई) में आयोजित की जाएगी।

कोलंबो में 8 देशों के कप्तानों की कैप्टन्स डे मीट- 5 फरवरी को कोलंबो में भी कैप्टन्स डे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, नीदरलैंड, ओमान, पाकिस्तान, यूएई और जिम्बाब्वे की टीमों के कप्तान शामिल होंगे। यहां भी सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत करते हुए टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। ग्रुपबी-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 12:00 बजे, जबकि ग्रुप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 12:30 बजे शुरू होगी। यह कार्यक्रम कोलंबो के मर्केंटाइल क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में आयोजित किया जाएगा।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट- भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिनहले स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रुप स्टेज के मैच खेलेगी।

वार्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हराया

● विश्व कप से पहले तिलक वर्मा की दमदार वापसी

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोमवार को भारत ए का अमेरिका से नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में सामना हुआ। इस मैच में भारतीय ए टीम ने 38 रनों से शानदार जीत दर्ज की।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के आगाज में अब चार दिन का समय शेष है। सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय ए टीम ने नारायण जगदीशन के शतक और आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 200 रन ही बना सकी।

भारत के लिए रवि बिश्नोई ने तीन विकेट हासिल किए जबकि खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक सफलता प्राप्त हुई।

तिलक की दमदार वापसी

निचले पेट की सर्जरी के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटे तिलक वर्मा ने अपनी फिटनेस को लेकर टीम प्रबंधन की सभी चिंताओं को दूर कर दिया। तीन सप्ताह का रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद मैदान पर उतरे तिलक न सिर्फ बल्लेबाजी में सहज नजर आए, बल्कि फील्डिंग और गेंदबाजी में भी पूरी तरह फिट दिखे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 24 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली, जिसमें उन्होंने हरमीत सिंह और नॉस्थश केनजीगे की स्पिन जोड़ी के खिलाफ दो शानदार छक्के लगाए। खास बात यह रही कि उनकी बल्लेबाजी के दौरान किसी भी तरह की असहजता नजर नहीं आई।

जगदीशन का शतक, बदोनी का नाबाद पचासा

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की टीम ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरे। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 55 गेंदों पर 104 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। कप्तान आयुष बदोनी ने भी अंत के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों पर 60 रन बनाए और स्कोर को 230 के पार पहुंचाया। भारत ए ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 238 रन बनाए।

भारतीय गेंदबाजों के आगे अमेरिका ने टेके घुटने

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की टीम ने भी संघर्ष जरूर किया, लेकिन बड़े स्कोर के दबाव में अंतत: 19.4 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट हो गई। संजय कृष्णामूर्ति अमेरिका की ओर से सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज रहे, जिन्होंने मात्र 18 गेंदों पर 41 रन बनाए। हालांकि उनकी पारी टीम को जीत के करीब नहीं ले जा सकी। भारत ए की गेंदबाजी में रवि बिश्नोई सबसे सफल रहे। लेग स्पिनर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और अमेरिका की रनगति पर लगाम लगाई। खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक विकेट मिला। तेज गेंदबाज मयंक यादव लंबे समय बाद वापसी के चलते थोड़े जंग खाए नजर आए, लेकिन उन्होंने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया।

ओलिंपियन पहलवान ने लग्न में सिर्फ चांदी का सिक्का लिया

दोस्त के पिता की बेटी संग की शादी

झज्जर (एजेंसी)। झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया आज 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंध गए। झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम हुआ। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि लंच में 500 लीटर देसी घी के अलग-अलग पकवान तैयार किए गए। लग्न में दीपक ने सिर्फ एक रुपए का चांदी का सिक्का लिया। दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं, उनका आईएएस अफसर बनने का सपना है।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान- दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें। अनूप ने तुरंत हां कर दी।

शिवानी बोलीं

दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता

रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य आईएएस अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं। दोनों परिवारों की रजामंदी से यह रिश्ता हुआ।

इंदौर जल त्रासदी : भागीरथपुरा के परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस का विशाल धरना

अब तो इंदौर में पानी पीने में डर लगता है - उषा नायडू

जवाबदारी की बात करते हो तो जिम्मेदारी तय करो - पटवारी

इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित जल हादसे के शिकार परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस ने आज राजवाड़ा पर विशाल धरना दिया। इस धरना स्थल पर दिए गए अपने संबोधन में कांग्रेस की इंदौर संभाग की प्रभारी उषा नायडू ने कहा कि अब तो इंदौर में पानी पीने में भी डर लगता है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब जवाबदारी की बात करते हैं तो इस घटना की भी जिम्मेदारी तय होना चाहिए।

इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चिंटू चौकसे और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने बताया कि भागीरथपुरा के हादसे में जान गंवाने वाले परिवार जनों को एक करोड रुपए की सहायता राशि देने, उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, इस घटना के लिए जिम्मेदार मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव से इस्तीफा की मांग को लेकर कांग्रेस के द्वारा आज राजवाड़ा पर विशाल धरना दिया गया। इसके साथ ही कांग्रेस ने मांग की है कि हर जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। इस धरने में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में भागीरथपुरा के लोग भी पहुंचे थे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव उषा नायडू ने कहा कि अब हम जब इंदौर आते हैं तो हमसे पूछा जाता है कि पानी कहां पिओगे। कैसे पीओगे । ध्यान रखना। इन सवालों के कारण अब इंदौर में पानी पीने में भी डर लगता है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जीवन देने वाले पानी में जहर दे दिया गया। इस क्षेत्र के 32 परिवारों ने अपने एक सदस्य को खोया है। हमें उन परिवारों की वेदना को समझना होगा। यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थी। यह घटना भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा का प्रतीक है। क्या जनता की जिंदगी इतनी शक्ति हो गई की मात्रा 2 लाख देकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर लिया गया। जब सट्टा लंबी हो जाती है तो जनता की आवाज नहीं आती है। समय आने पर इंदौर की जनता सवाल भी पूछे कि और जवाब भी देगी। भागीरथपुरा के हर परिवार की यह वेदना है। जिन्हें हमने वोट देकर कुर्सी पर बैठाया है उनसे सवाल पूछो। प्रदेश के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि इस घटना के लिए विजयवर्गीय सीधे तौर पर जिम्मेदार है। उन्हें अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार कर इस्तीफा दे देना चाहिए। यह अत्यंत चिंताजनक है कि इस घटना के बाद दो बार मुख्यमंत्री खुद इंदौर आ चुके हैं लेकिन वह इन पीड़ितों से मिलने के लिए नहीं गए। इस हादसे में अपने मासूम बेटे को खोने वाली महिला ने कहा कि जीवन अनमोल होता है उसका कोई मूल्य नहीं होता है। मन्नतों के बाद हमें बेटा हुआ था। इस घटना ने वह बेटा हमसे छीन लिया। अपने पिता को होने वाली एक बेटी ने कहा कि मेरे पिता उल्टी दस्त के कारण अरविंद अस्पताल में भर्ती हुए थे। वहां उनकी मौत हो गई। हमने लास्ट को सड़क पर रखकर शका जाम नहीं किया इसलिए हमें 2 लाख की भी सहायता नहीं दी गई।

पानी की जांच कराएगी कांग्रेस- पटवारी ने इस मौके पर शहर कांग्रेस के अध्यक्ष चिंटू चौकसे को यह जिम्मेदारी दी है कि अब दो गाड़ी निकाल कर हर दिन हर वार्ड में पानी की जांच करो और इस जांच की रिपोर्ट को सार्वजनिक करो ताकि जनता को यह मालूम पड़ सके कि जो पानी उन्हें दिया जा रहा है वह कितना शुद्ध है। धरना में ही शुद्ध जल परीक्षण रथ का शुभारंभ किया गया।

इंदौर हाईकोर्ट बार के सबसे युवा अध्यक्ष बने मनीष यादव, कार्यकारिणी के साथ संभाला पदभार

- उम्र 42 साल, अधिवक्ताओं के हितों और डिजिटल सुविधाओं पर होगा विशेष ध्यान

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर हाईकोर्ट बार के 66 साल के इतिहास में पहली बार इतनी कम उम्र में किसी अधिवक्ता को अध्यक्ष चुना गया है। 42 साल के मनीष यादव ने अध्यक्ष पद का पदभार संभाल लिया है। हाईकोर्ट बार इंदौर की पहली कार्यकारिणी का गठन साल 1960 में हुआ था। तब से अब तक के इतिहास में यादव सबसे युवा अध्यक्ष बने हैं, जिसे लेकर अधिवक्ताओं में खास उत्साह देखा गया।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारी- नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने प्रशासनिक न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला की मौजूदगी में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान बार के कई वरिष्ठ अधिवक्ता भी मौजूद रहे। नई टीम में उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक तुगनावत, सचिव मनीष गडकर, सहसचिव अमित राज चुने गए हैं। कार्यकारिणी सदस्यों में राहुल पांचाल, तेजस जैन, अमन मालवीय, रश्मेंद्र सूर्यवंशी और अनिक जैन शामिल हैं।

अधिवक्ताओं के हित में काम पहली प्राथमिकता- पदभार ग्रहण करने के बाद अध्यक्ष मनीष यादव ने कहा कि बार के अधिवक्ताओं के हित उनकी पहली प्राथमिकता रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वकीलों की लंबित समस्याओं को प्रशासन के सामने मजबूती से रखा जाएगा और उनके समाधान के लिए तेजी से प्रयास किए जाएंगे। नई कार्यकारिणी से युवा नेतृत्व की उम्मीदें भी जुड़ गई हैं, खासकर डिजिटल सुविधाओं, लाइब्रेरी संसाधनों और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों को लेकर।

जनसुनवाई में कलेक्टर और नगर निगम मुख्यालय में उमड़ी भीड़ सैकड़ों शिकायतें दर्ज, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

इंदौर। इंदौर में जनसुनवाई आम नागरिकों के लिए एक मजबूत मंच बनकर सामने आ रही है। मंगलवार को एक ओर कलेक्टर कार्यालय, तो दूसरी ओर नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में करीब 300 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर शिवम वर्मा ने सभी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आर्थिक सहायता, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकान पर कब्जा, सीमांकन-बटांकन, पुलिस से जुड़े मामले, रेड क्रॉस सहायता, जर्जर मकान, स्वास्थ्य एवं मेडिकल से संबंधित आवेदन सामने आए। कुछ मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष को जांच के लिए भेजा गया। कलेक्टर शिवम वर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाती है, ताकि पीड़ितों को त्वरित राहत मिल सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, इंदौर नगर निगम मुख्यालय में हुई जनसुनवाई में भी बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे। नगर आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों के साथ लोगों की शिकायतें सुनीं। यहां गंदगी, ड्रेनेज, गंदा पानी, अतिक्रमण और अवैध निर्माण से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित जोन अधिकारियों को भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि नगर निगम अपना कार्य कर रहा है, लेकिन शहर को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसुनवाई में लगातार बढ़ रही शिकायतों की संख्या यह दर्शाती है कि जोन स्तर पर समस्याओं के निराकरण में और गंभीरता की जरूरत है। कुल मिलाकर, कलेक्टर कार्यालय और नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई ने नागरिकों को अपनी बात सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का भरोसा दिया है और लोगों को त्वरित समाधान की उम्मीद जगी है।

मंगेतर ने किया दुष्कर्म, पीड़िता ने दर्ज कराया प्रकरण

प्रेम संबंध और सगाई के बाद बदला रवैया, आरोपी हिरासत में

इंदौर। एक युवती ने अपने ही मंगेतर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी सुशील पटेल के अनुसार पीड़िता मूल रूप से भोपाल के पास की रहने वाली है और वर्ष 2017 से इंदौर में रहकर कॉल सेंटर में नौकरी कर रही है। इसी दौरान उसकी पहचान भोपाल निवासी पवन अहिरवार से हुई। बातचीत के सिलसिले ने धीरे-धीरे प्रेम संबंध का रूप लिया। आरोपी ने शादी का प्रस्ताव रखा, जिसे पीड़िता ने परिवार के समक्ष रखा। परिजनों की सहमति के बाद मार्च माह में दोनों की सगाई भी कर दी गई, लेकिन सगाई के बाद रिश्ते की तस्वीर बदलने लगी। पीड़िता के अनुसार पवन का व्यवहार अचानक आक्रामक हो गया। आए दिन विवाद, गाली-गलौज और मारपीट होने लगी। इसी बीच उसे यह भी जानकारी मिली कि आरोपी किसी अन्य युवती के संपर्क में है। पूछताछ करने पर आरोपी ने इसे महज दोस्ती बताकर टाल दिया। पीड़िता का आरोप है कि जनवरी माह में आरोपी सफाई देने के बहाने उसके किराए के कमरे पर आया और जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद उसने मोबाइल नंबर ब्लॉक कर संपर्क पूरी तरह तोड़ लिया। लगातार उपेक्षा और धोखे से आहत पीड़िता मानसिक तनाव और डिप्रेशन में चली गई। अंतत : उसने अपने परिवार को पूरी घटना बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।